कोविड काल में बदला समाज

वर्तमान समाज बहुत सारे परिणामों का फल है। आदिम काल से लेकर बहुत सारे बदलाव हो चुका है हमारे यहाँ। इन सबको सबने मिलकर सहा है और उनके साथ जीकर यहाँ तक आया है। वर्तमान काल में हमने एक बहुत बड़ी महामारी की सामना किया जिसको संयुक्त राष्ट्र संघ ने कोविड - 19 महामारी घोषित किया। ये चीन के वुहान प्रविश्या में उत्भव किया और धीरे - धीरे पूरी विश्व में फैलता गया। उत्भव के समय ही बहुत सारे व्यक्तियों एवं डॉक्टरों ने हमसे सतर्क रहने को कहा था पर सच यह है कि हमने उनके द्वारा कहा गया वस्तुताओं पर ध्यान नही दिया।

यह ~~इस~~ बीमारी के दूसरे देशों में फैलते ही हम सावधानी से इसके बारे में सोचने लगे और स्वास्थ्य मंत्रालय इलाज केलिए तरह - तरह के मार्ग ढूँढने लग गए। इस महामारी के चलते हमारे समाज ने बहुत कुछ देख लिया और झेल लिया। बच्चे, बूढ़े, युवक सबपर इसका असर पड़ गया। जो लोग इसके शिकार बन गए ~~से~~ उनका तबियत इतना खराब हुआ कि वो ठीक से चल भी नही पाए। चौदह दिन से लेकर एक

महीने तक लोग बीमार पड़ गए और एक कमरे में बंद पड़ गए। उनकेलिए वह एक कठिन सज़ा ही था। ना कुछ अच्छा खा पाते, ना पानी पी पाते ना ही अपनी मर्जी से कुछ कर पाते। सबसे बुरी बात थे थी कि ये लोग अपने परिवारवालों से भी नही मिल सकते थे। एक घर में रहकर भी वे एक दूसरे से अलग हो गए। कुछ लोग इससे बच गए पर कुछ लोगों का इतना बुरा हालत हो गया कि वे गुज़र ही गए। कोविड के चलते हमारी आबादी बहुत गिर गई।

जो लोग इसके शिकार नही बने उनका हालत इससे भी खराब था। घर में बंद हो होने के कारण सबको बेचैनी होने लगी और बहुत सी मानसिक बीमारियों का शिकार बन गए। यह काल खासकर बच्चों केलिए सबसे कठिन रही। वे ना ही अपने मित्रों से मिल पाए, ना ही स्कूल जा पाए और ना ही बाहर खेल-कूद केलिए जा पाए। ओणलाईन शिक्षा पहले तो उन्हें मजेदार लगा पर धीरे-धीरे वे मोबाईल फोन का दास जैसा बन गए। वे सामूहिक माध्यमों का ज्यादा उपयोग करने लगे जिसके चलते कुछ बच्चे कुसंगति

में फँस गए। अवश्य सामान खरीदने केलिए बाहर जाना बहुत ज्यादा मुश्किल हो गया। कुछ लोगों को खाने की कमी पड गई। पर कुछ अच्छे दिलवालों के मदद से उन्होंने कोविड काल गुज़ार लिया। नौकरों की नौकरी चली गई। जो लोग विदेशों में काम करते थे वे ना ही वहाँ से आ पाए और जो लोग पहले आ गए अब वे लोग वापस लौट नही पाए जिसकी वजह से कुछ लोगों की नौकरी ही चली गई।

सबके घरों में आर्थिक स्थिति काफी बिगड गई। साधन सामग्रियाँ कम होने की वजह से समाज ने यह सीख लिया कि कैसे कम खर्चा करके हम जीवन बिता सकते है। कोविड काल में हुआ लॉकडाऊन ने सबको मितव्यय की शिक्षा दी। लोग - जो अक्सर बाहर जाया करते थे और फालतू के खर्चा किया करते थे - उनकेलिए यह काल गुज़ारना काफी कठीन रहा। कोविड ने समाज को अपनों के महत्व सिखाया। जो लोग जब महीनों तक अपने भाई - बंधुओं से नही मिल पाए तब उनको दूसरों की अपनी जीवन में मूल्य समझ आए।

यह काल हमारेलिए कठिनाईयों और जानकारियों का काल था। घर बैठे - बैठे ऊब गए तो लोग अपनी अंदर के कला को खोजने लगे। सामूहिक माध्य द्वारा बहुत से लोग कला प्रदर्शन करने लगे जिसकी वजह से हमें नए - नए कलाकार मिले। जब तक कोविड खत्म हुआ तब तक सारे लोग एक न एक कला में निपुण बन गए। जब कुछ लोग अपने कला ढूँढने में लगे हुए थे तब कुछ लोग सिर्फ अपना समय व्यर्थ बिताने लग गए। वे लोग सामाजिक मीडिया का ज्यादा उपयोग करने लगे। इसका असर खासकर युवकों पर हुआ था। युवा लोग अपने परिवार से हटकर अपने आप में मग्न हो गए।

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हमने कितना तरक्की की इसका ज्ञान कोविड काल ने हमें दिया। इनटरनेट का उपयोग करके शिक्षा पाने छात्रों केलिए एक नया अनुभव था। सामूहिक माध्यम के जरिए लोग एक दूसरे से मिल पाए दूर बैठे - बैठे ही। पहले तो आनलाईन शिक्षा बहुत अच्छे से चल रही थी पर धीरे - धीरे सब ऊब जाने लगे। बहुत देर कम्प्यूटर और मोबाईल

के सामने बैठने से छात्रों को सिरदर्द जैसे बीमारियाँ होने लगी ~~जिसने~~ जिसका उनके पढाई पर कुप्रभाव पड़ा। अध्यापक अपने बच्चों को ज्यादा ध्यान नही दे पाए। कुछ बच्चों और अध्यापकों को ये शिक्षा - रीति पसंद आई पर कुछ को नही।

इनटरनेट के उपयोग काफी ~~अब~~ बढ गया और लोग सारी चीजें उसके द्वारा करने लगे। कुछ खरीदना हो या किसी को पैसा भेजना हो या खाना मंगवाना हो - सब घर बैठे - बैठे करने की रीति हमने सीखा। घर में बिताए वक्त हम इनटरनेट के असीम ~~&~~ साध्यताओं को खोज निकालने लगे जिसकी वजह से सामाजिक जीवन बहुत सरल हो गया। इनटरनेट की इसी साध्यता का उपयोग करके लोग ऑणलाईन जानकारी प्राप्त करने लगे और अपना ज्ञान दूसरों को बाटने लगे। पर इन सबके चलते दुख की बात यह है कि साईबर अपराधों की संख्या काफी बढ गई।

लोगों के पास समय अधिक था। इसने उनके चिंतन शैली पर प्रभाव डाला। वे सामाजिक चीजों के बारे में ज्यादा सोचने लगे और अपना अभिप्राय खुद बनाने

लगे । नए - नए सोच उनके मन में आने लगे जो हमारी प्रगती में काफी मदद करेंगे । युवकों के भावुकशीलता परम सीमा पर पहुँच गए । जो पहले घर के काम करने से ~~वि~~ विमुख रहते थे वे धीरे - धीरे घर का काम सीखने लग गए ।

कोविड काल ने हमें बहुत सी सबकें दी हैं । हमने ये सीखा कि कैसे कम सामानों में अपना जीवन बिता सकते हैं । हमें ये सीखा कि आर्थिक शिक्षा के साथ - साथ स्वास्थ्य शिक्षा देना भी जरूरी है । ~~के~~ कोविड ने हमारी जीवन शैलि पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला । कई लोग मानसिक रूप से पिछड गए और कई नशीली ~~दवाओं~~ चीजों का शिकार बने । कई लोगों ने इस समय को अपने आप को बेहतर बनाने में लगाया तो कई लोग वैसे के वैसे रहे । लोगों का स्वभाव काफी बदल गए । जब कोविड काल खत्म हुआ तब हमारे सामने एक नई दुनिया थी ।, कोविड ने समाज पर बहुत सारी बदलाव लाए । दुख की बात यह है कि काफी लोग इसकी वजह से सदमें में आ गए और आज तक वहाँ से निकल नही पाए । हमें स्वतंत्र होने की इतनी इच्छा

होने लगे कि हम अपने आप को रोक नहीं पाए। आज जो भी हम देख रहे हैं और जो भी समाचार आ रहे हैं वो उन दो सालों का परिणाम है ~~कि~~ जब हम कुछ नहीं कर पाए और घर में बंद पड गए। हम बहुत से नए तकनीकों से परिचित हुए जिसके बारे में हमने सुना तक नहीं था। तकनीकी रूप से हम बहुत आगे निकल गए पर शिक्षा और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बुरा असर हुआ।

इस समय में हम सबके बारे में सोचने लगे और बहुत से मिसालें हमारे सामने आए। हम ये जान पाए कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में हमारी क्या-क्या कमी है और उनका उपाय ढूँढ पाए। आजकल के समाज ने हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव इन दो सालों में देख ली है। हम ये आशा कर सकते हैं कि हमारी जो भी कमी थे हम उन्हें पहचान पाए और आगे बढने में ये हमारी मदद करें। जो भी सीख हमें मिली है उसे अपना और दूसरों के भलाई केलिए इस्तमाल करना चाहिए।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)